जयराम रमेश
JAIRAM RAMESH

सत्यमेव जयते

ग्रामीण विकास मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली-110114
MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAVAN, NEW DELHI-110 114

अ.शा.पत्र सं.जी-11011/01/2011-जल

दिनांकः 25 अगस्त, 2011

प्रिय मायावती जी —

मैंने आपके राज्य की वर्ष 2011-12 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) के लिए रिलीज की गई निधियों की स्थिति की समीक्षा की है ।

2. 2011-12 के लिए उत्तर प्रदेश हेतु केन्द्रीय आवंटन की प्रथम किस्त 345 करोड़ रू. की है । इसमें से 172.6 करोड़ रू. अब तक रिलीज किए जा चुकें हैं ।

3. ऐसा इस वजह से हुआ कि 15 फरवरी, 2011 तक 2008-09 और 2009-10 के लिए खर्च का समामेलित लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत किया जाना था, जो अब तक प्रस्तुत नहीं किया गया है । इसी वजह से राज्य को एनआरडीडब्ल्यूपी के अंतर्गत वर्ष 2011-12 के लिए निधियों की पहली पूरी किस्त रिलीज नहीं की गई है ।

4. इसके बावजूद, मैंने यह निर्देश दिया है कि वर्ष 2011-12 के लिए आपके राज्य को एनआरडीडब्ल्यूपी के अंतर्गत आबंटन की पहली किस्त तुरंत रिलीज की जाए ।

5. तथापि, मैं आपको यह सूचित करना चाहूँगा कि 2011-12 के लिए एनआरडीडब्ल्यूपी निधि की दूसरी किस्त निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के बाद ही रिलीज की जाएगी : -

(i) महालेखा परीक्षक से प्राप्त वर्ष 2008-09 और 2009-10 (अप्रैल से सितम्बर) की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ सम्बद्ध अवधि के उपयोग प्रमाण-पत्र को समामेलित, विनियमित करके प्रस्तुत किया गया है;

(ii) सीएजी में सूचीबद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्राप्त राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के खातों का लेखा परीक्षित विवरण (पावती एवं भुगतान खाता, आय एवं व्यय खाता और एनआरडीडब्ल्यूपी की बैलेंस शीट) जो वर्ष 2009-10 (अक्टूबर से मार्च) और वर्ष 2010-11 के उपयोग प्रमाण-पत्रों के साथ विधिवत समामेलित है, प्रस्तुत किया गया है;

(iii) वर्ष 2011-12 के दौरान उपलब्ध निधियों की 60% राशि के उपयोग को दर्शाने वाला उपयोग प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

6. मैं आपसे आग्रह करना चाहूँगा कि आप 31 अक्टूबर, 2011 तक उपर्युक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दें ताकि राज्य को एनआरडीडब्ल्यूपी निधियों की दूसरी किस्त रिलीज की जा सके ।

सादर,

भवदीय,

जयराम रमेश

(जयराम रमेश)

कुमारी मायावती
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश